Seat No.	

B.A. (Part - II) (Semester - IV) Examination, April - 2019
हिन्दी (HINDI) (Optional) (Paper - VI)
आधुनिक काव्य

Kamala College Kolhapur, Krantiveer Rangaotada Patil Library ★ LIBRARY

पाठ्यपुस्तके :- 1) सैरंध्री
2) तुलसीदास

Sub. Code : 62348

Day and Date : Tuesday, 30 - 04 - 2019 **Total Marks : 50**
Time : 12.00 noon to 02.00 p.m.

सूचनाएँ : 1) **सभी प्रश्न अनिवार्य है।**
2) **दाईं ओर लिखे अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।**

प्र.1) निम्नलिखित विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए। **[5]**

i) 'सैरंध्री' खंडकाव्य के कवि .... है।
अ) सुमित्रानंदन पंत ब) गोपालादास सक्सेना 'नीरज'
क) मैथिलीशरण गुप्त ड) नागार्जुन

ii) 'सैरंध्री' में पांडवों के .... का समय चित्रित है।
अ) बचपन ब) वनवास
क) राज्यग्रहण ड) अज्ञातवास

iii) भीम अज्ञातवास में .... का काम करते थे।
अ) गायक ब) नृत्यशिक्षक
क) रसोइया ड) सेनापती

iv) तुलसीदास के समय भारत में .... का शासन था।
अ) अंग्रेजों ब) मुस्लिमों
क) जनता ड) फिरंगीयों

v) रत्नावली तुलसीदास की .... का नाम था।
अ) बहन ब) माँ
क) पत्नी ड) बुआ

P.T.O.

प्र.2) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन अवतरणों का ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए। [15]

अ) "रानी बोली"–धन्य तूलिका है सखि तेरी,
कला–कुशलता हुई आप ही आकर चेरी।
किंतु आपको लिखा नहीं तूने क्यों इसमें?
बल्लव की प्रत्यक्ष जयश्री रहती जिसमें?"

ब) "तुममें यदि सामर्थ्य नहीं है अब शासन का,
तो क्यों करते नहीं त्याग तुम राजासन का?
करने में यदि दमन दुर्जनों का डरते हो,
तो छूकर क्यों राज–दण्ड दूषित करते हो"

क) "याज्ञसेनि, आ, देख यही था वह उत्पाती?
किन्तु चुर हो गई आह! मेरी श्री छाती!"

ड) "हम अबलाएँ तो एक की होकर रहती हैं सदा।
तुम पुरूषों को सौ भी नहीं, होती है तृप्ति–प्रदा।"

इ) "इस कारण हे वीर, न तुम यों मुझे निहारो,
फणि–मणि पर निज कर न पसारों, मन को मारो।
प्रेम करूँ मैं बन्धु, मुझे तुम बहन विचारो,
पाप–गर्त से बचो, पुण्य–पथ पर पद धारो।"

प्र.3) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [15]

अ) 'तुलसीदास' के गाँव राजापुर का वर्णन कीजिए।

ब) 'तुलसीदास' में प्रयुक्त भाषा की विशेषताएँ लिखिए।

क) 'रत्नावली' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

ड) तुलसीदास की मनोभूमिका में परिवर्तन करनेवाले प्रसंग का वर्णन कीजिए।

इ) 'तुलसीदास' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

प्र.4) खंडकाव्य के तत्वों के आधार पर 'सैरंध्री' की समीक्षा कीजिए। [15]

अथवा

'तुलसीदास' की कथावस्तु स्पष्ट कीजिए।